बिहार विधान-सभा वादवृत्त।

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान-सभा का कार्य-विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा-सदन में वृहस्पतिवार, तिथि २४ मार्च, १९६० को ११ बजे पूर्वाह्न में अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्म्मा के सभापतित्व में हुआ।

अल्प-सूचित प्रश्नोत्तर।
Short Notice Question and Answer.
सड़क-निर्माण।

१४६। श्रीमती प्रभावती गुप्ता—क्या मंत्री, लोक निर्माण विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि चम्पारण जिलान्तर्गत चकिया-केसरिया-सतरघाट सड़क पी० डब्लू० डी० द्वारा ले ली गयी है;

(२) यदि खंड (१) का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो अबतक उक्त सड़क के निर्माण में क्या प्रगति हुई है?

*श्री सहदेव महतो—(१) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(२) मिट्टी का काम प्रायः पूरा हो चुका है और कलवर्ट का काम शुरू हो रहा है। अबतक कुल प्रगति ३० प्रतिशत है।

*श्रीमती प्रभावती गुप्ता—सरकार कब तक इस सड़क को पक्की बनाने का विचार करती है?

श्री सहदेव महतो—निश्चित तिथि नहीं बतायी जा सकती है किन्तु, काम प्रोग्रेस में है।

अध्यक्ष—बरसात के पहले चालू करेंगे या नहीं?

श्रीमती प्रभावती गुप्ता—यह बताया जाय कि २, ३, ६ महीने में कब पक्की सड़क बनाने का काम प्रारम्भ होगा?

श्री सहदेव महतो—अर्थ वर्क होने के बाद देखा जाता है कि पानी का लेवल कितना आता है और इसको देखने के बाद ही सड़क पक्की बनायी जा सकती है। यह टेकनिकल मैटर है, इसमें समय लगेगा।

श्री सहदेव महतो—(१) इस विषय पर अभी निश्चितरूप से कुछ कहा नहीं जा सकता है क्योंकि अभी यह सरकार के विचाराधीन है।

(२) यह प्रश्न नहीं उठता है।

केन्द्र की मदद से सड़क का निर्माण।

१११६। श्री सभापति सिंह—क्या मंत्री, लोक-निर्माण विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि बिहार राज्य को केन्द्रीय सरकार से लोक-निर्माण विभाग को बनी हुई सड़क से निकले हुए गांवों की सड़क को बनाने के लिये पचास प्रतिशत मदद मिलने की बात है;

(२) क्या यह बात सही है कि सरकार ने अपने आदेश द्वारा प्रत्येक जिले से गांव की सड़कों को बनाने के लिये सूची मांगी थी जिसके आधार पर सारन जिला विकास समिति ने अगस्त, १९५९ की बैठक में एक सूची स्वीकृत कर सरकार को भेजी है;

(३) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर 'हां' में हैं, तो अभी तक उस सड़क योजना को कार्यान्वित नहीं कराने का क्या कारण है?

श्री सहदेव महतो—(१) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(२) तिरहुत प्रमंडल के आयुक्त से सारण जिला के सम्बन्ध में सड़कों की एक सूची आयी है किन्तु सारण जिला विकास समिति से अगस्त, १९५९ की बैठक में स्वीकृत हुई सड़कें इस सूची में हैं या नहीं, पता नहीं चलता।

(३) प्रमंडलों के आयुक्तों से प्राप्त सड़कों की सूची की अभी छानबीन हो रही है। ये शीघ्र ही भारत सरकार को स्वीकृति के लिये भेजी जायेगी तथा उनकी स्वीकृति आने पर ही कार्यारंभ का आदेश दिया जायेगा।

श्री सभापति सिंह—मैं यह जानना चाहता हूँ कि तिरहुत के आयुक्त से सारण जिले की सड़कों की सूची कब आयी थी?

श्री सहदेव महतो—अक्तूबर, १९५९ में।

श्री सभापति सिंह—तो अभी तक इस सूची को भारत सरकार के पास नहीं भेजने का क्या कारण है?

श्री सहदेव महतो—अकेले सारण जिले की सूची तो भारत सरकार के पास नहीं भेजी जायेगी बल्कि सारे सूबे की सड़कों की सूची भेजी जायेगी। इन सड़कों के निर्माण का आधा खर्च भारत सरकार देगी एक चौथाई यह सरकार देगी और एक

चौथाई गाँव वाले देंगे । गाँव वालों से एक चौथाई खर्च देने के लिये एक एग्रीमेंट होता है और इसलिये इसमें कुछ दिक्कत होती है । जल्द ही अब इसकी सूची भारत सरकार के पास भेज दी जायेगी ।

श्री सभापति सिंह—क्या यह बात सही है कि तिरहुत डिवीजन से सूची मांगने के साथ ही साथ और भी डिवीजनों से इस तरह की सूची मांगी गयी होगी ?

श्री सहदेव महतो—सभी जगहों से मांगी गयी थी लेकिन तिरहुत डिवीजन से जल्द सूची आ गयी और-और जगहों से आने में कुछ देरी हुई ।

श्री सभापति सिंह—क्या इन सड़कों को बनाने के लिये अभी रफ इस्टीमेंट भी बना है या नहीं ?

श्री सहदेव महतो—इसका आदेश लोकल अफसर के यहां भेज दिया गया है कि एग्रीमेंट हो जाने पर हर एक सड़क के लिये एक रफ इस्टीमेंट बना कर भेजे ।

श्री सभापति सिंह—अगर सेन्ट्रल सरकार के पास समय पर यह सूची न भेजी जायेगी तो क्या इसके लिये जो रुपया मंजूर है, वह क्या लैप्स नहीं कर जायेगा और इस तरह से यह चीज तृतीय पंचवर्षीय योजना में चली जायेगी ?

श्री सहदेव महतो—पब्लिक कन्ट्रीब्यूशन को लेकर कुछ देरी हुई है क्योंकि ऐसा नहीं करने से मुखिया लोग बैंकआउट कर जाते हैं, लेकिन जल्द ही इस सूची को केन्द्रीय सरकार के पास भेजने की कोशिश की जायेगी ।

सड़क का सुधार।

१११७। श्री प्रियव्रत नारायण सिंह—तारांकित प्रश्न संख्या १४४, तिथि १५ फरवरी १९६० को सदन में दिये गये पूरक के उत्तर को ध्यान में रखते हुए क्या मंत्री, लोक-निर्माण विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि पूरक के उत्तर में यह कहा गया है कि "ऐसी बात तो नहीं है। पानी जरूर दिया जाता होगा।" इसकी छानबीन मैंने स्वयं की है और उससे यह स्पष्ट है कि इधर पानी बहुत ही लेश मात्रा में दिया जाता है जिससे सड़क के खराब होने की संभावना है ;

(२) यदि खंड (१) का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार इस संबंध में आगे क्या करने जा रही है ?

श्री सहदेव महतो—(१) विभागीय उच्च पदाधिकारी के निरीक्षण टिप्पणी से प्रतीत होता है कि पानी आवश्यकता के अनुसार दिया जाता है और सड़क को इस वजह लेकर नुकसान की संभावना नहीं है ।